

**प्रमुख वन संरक्षक (HoFF), उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में दि० 28-06-2018 को देहरादून में आयोजित 'उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार समिति' की बैठक का कार्यवृत्त**

दिनांक 28-06-2018 को मंथन सभागार, कार्यालय प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून में उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार समिति (आर०ए०सी०) की बैठक श्री जय राज, प्रमुख वन संरक्षक (HoFF), उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में उपस्थित सदस्यों, उनके प्रतिनिधियों एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची संलग्न है (संलग्नक-1)।

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। श्री संजीव चतुर्वेदी, वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, उत्तराखण्ड द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये बैठक में अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु उनका आभार व्यक्त किया गया तथा पुनर्गठित आर०ए०सी० के नये सदस्यों का परिचय कराया गया।

श्री जीवन चन्द्र जोशी, वन वर्धनिक, उत्तराखण्ड द्वारा अनुसंधान शाखा का परिचय कराते हुये इसके उद्देश्यों, अनुसंधान शाखा के वर्तमान परिदृश्य एवं गतिमान क्रियाकलापों से समिति को अवगत कराया गया। वन वर्धनिक द्वारा अनुसंधान शाखा के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतीकरण किया गया, जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

**1- मानव एवं वित्तीय संसाधनों की स्थिति :-**

1.1 वन वर्धनिक द्वारा अवगत कराया गया कि वन अनुसंधान शाखा के अंतर्गत दो वन प्रभागों यथा वन वर्धनिक, साल क्षेत्र एवं वन वर्धनिक, पर्वतीय क्षेत्र में मानव एवं वित्तीय संसाधनों की स्थिति निम्न प्रकार है -

1.1.1 दोनों प्रभागों में कुल स्वीकृत स्टाफ संख्या 175 के सापेक्ष 123 स्टाफ कार्यरत हैं जिनमें 01 वन वर्धनिक व 01 सहायक वन वर्धनिक की कमी है और अनुसंधान वृत्त में कोई भी डी०डी०आर० कार्यरत नहीं है।

1.1.2 इन दोनों प्रभागों में बजट की कमी के कारण कोई भी प्रशिक्षित वैज्ञानिक/जे०आर०एफ०/एस०आर०एफ० कार्यरत नहीं है जिसके फलस्वरूप अनुसंधान कार्यों के सुचारु रूप से सम्पादन में कठिनाई आ रही है।

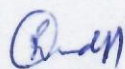
1.1.3 सम्पूर्ण राज्य में वन विभाग के अन्तर्गत केवल एक ही मृदा परीक्षण प्रयोगशाला हल्द्वानी में कार्यरत अवस्था में है।

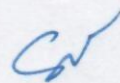
1.1.4 पिछले 3 वर्षों से कैम्पा व आर०टी० योजना में वित्तीय आवंटन में क्रमिक रूप से कमी होती जा रही है तथा आवंटित धनराशि भी समय पर प्राप्त नहीं हो रही है जिस कारण वन अनुसंधान के कार्यों में कठिनाई का सामना करना पड़ा है। परन्तु इस वर्ष समय से धनराशि प्राप्त हो गयी है।

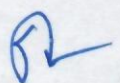
1.1.5 प्रमुख वन संरक्षक (HoFF), उत्तराखण्ड द्वारा उपरोक्त समस्याओं के निराकरण हेतु समुचित कार्यवाही किये जाने का आश्वासन दिया गया तथा निर्देशित किया गया कि आवश्यकतानुसार वन अनुसंधान के मुद्दों/समस्याओं के समाधान हेतु शासन स्तर पर भी बैठक आयोजित की जा सकती है।

**2- वानिकी अनुसंधान सलाहकार समिति की पिछली बैठक में लिये गये निर्णयों एवं सुझावों का अनुपालन :-**

वन वर्धनिक द्वारा पिछली अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों एवं सुझावों के अनुपालन के सम्बन्ध में निम्न प्रकार अवगत कराया गया :-









2.1 मानव वन्य जीव संघर्ष को कम करने हेतु वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त द्वारा शोध प्रारम्भ कर दिया गया है। उनके द्वारा विभिन्न वन प्रभागों से मानव वन्य जीव संघर्ष के आँकड़े निर्धारित प्रारूप में मंगाये गये हैं। अधिकांश वन प्रभागों से आँकड़े प्राप्त हो गये हैं जिनका विश्लेषण किया जा रहा है।

2.2 अनुसंधान शाखा के अंतर्गत दोनों प्रभागों में सांख्यिकीय डाटाओं को कम्प्यूटरीकृत करने का कार्य प्रगति पर है। कुल 608 सांख्यिकीय गाटाओं के सापेक्ष 377 गाटाओं का 'डिजीटाईजेशन' कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

2.3 अनुसंधान शाखा में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों को विशेष वेतन दिये जाने का प्रस्ताव प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड के पत्रांक 1080(1)/1-8(1) दि 05-12-2017 से संस्तुति सहित शासन को प्रेषित किया गया है जो कि अभी शासन स्तर पर विचाराधीन है।

2.4 अनुसंधान शाखा के अंतर्गत शोध परिणामों के ब्रोशर, वार्षिक अनुसंधान प्रतिवेदन आदि को प्रकाशित कर क्षेत्रीय वन प्रभागों को प्रेषित किया जाता है तथा कार्ययोजना अधिकारियों द्वारा इनके परिणामों/सुझावों को कार्ययोजना पुनरीक्षण में समावेशित किया जाता है।

2.5 जलवायु परिवर्तन का बुरांश प्रजाति की 'फिनोलॉजी' पर अध्ययन हेतु नैनीताल वन प्रभाग के अंतर्गत प्रयोग स्थापित किया गया है। गोपेश्वर एवं कालसी अनुसंधान रेंजो में बांस के 'राईजोम-बैंक' स्थापित किये गये हैं।

3- वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 में प्रारम्भ किये गये प्रयोगों की कार्योत्तर स्वीकृति :-

वर्ष 2016-17 एवं 2017-18 में प्रारम्भ किये गये अन्य समस्त प्रयोगों की कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गयी। प्रयोगों का विवरण संलग्नक-2 में दिया गया है।

4- बीज गाटा, सांख्यिकीय गाटा तथा प्रायोगिक गाटाओं को बंद करने की स्वीकृति :-

समिति द्वारा अनुसंधान शाखा के अंतर्गत वन वर्धनिक साल क्षेत्र एवं वन वर्धनिक पर्वतीय क्षेत्र में 80 बीज गाटा, 139 सांख्यिकीय गाटा तथा 7 प्रायोगिक गाटाओं को बंद करने की स्वीकृति प्रदान की गयी। इन गाटाओं का विवरण संलग्नक-3 में दिया गया है।


5- वर्ष 2018-19 हेतु प्रस्तावित नये प्रयोगों की स्वीकृति :-

वन वर्धनिक द्वारा वर्ष 2018-19 में वन वर्धनिक साल क्षेत्र एवं वन वर्धनिक पर्वतीय क्षेत्र के अंतर्गत प्रस्तावित प्रयोगों का प्रस्तुतीकरण किया गया। समिति द्वारा लिये गये निर्णय निम्नवत हैं :-

S.N.	Name of proposed experiment	Period	Amount (In Lakh)	Remarks
1	Assisted Natural Regeneration (ANR) in Sal ( <i>Shorea robusta</i> ) Forest of Haridwar Forest Division.	2018-19 to 2022-23	16.22	Approved by R.A.C. (This experiment was proposed as per recommendation of working plan of Haridwar Forest Division).
2	Growth and Productivity Study through Silvicultural Methods in Eucalyptus Coppice Area.	2018-19 to 2022-23	4.10	Approved by R.A.C.
3	Effect of Climate change on Phenology (Flowering, Fruiting and Seed ripening) of Hisalu ( <i>Rubus ellipticus</i> ) in Middle Himalaya of Uttarakhand.	2018-19 to 2022-23	17.34	Approved by R.A.C.









4	Study of Carbon sequestration in different species of Uttarakhand Himalaya.	2018-19 to 2022-23	16.80	Not approved by R.A.C. (though this experiment was proposed as per recommendation of working plan of Kedarnath Wildlife Division).
5	Suitability and Growth study of <i>Melia Composita</i> clones in Trai region, Uttarakhand.	2018-19 to 2022-23	5.32	Not approved by R.A.C.
6	Conservation of High altitude RET species of Uttarakhand Himalayas.	2018-19 to 2022-23	17.42	Approved by R.A.C.
7	Study of Natural Regeneration of Fir ( <i>Abies pindrow</i> ) in Kedarnath	2018-19 to 2022-23	9.60	Approved by R.A.C. (This experiment was proposed as per recommendation of working plan of Kedarnath Wildlife Division).
8	Nursery Technique of Asper ( <i>Acronychia laurifolia</i> ) in Shyampur.	2018-19 to 2020-21	2.30	Approved by R.A.C.
9	Nursery Technique of Malinilata ( <i>Spatholobus parviflorum</i> ).	2018-19 to 2020-21	1.81	Approved by R.A.C.
10	Establishment of Preservation Plot of <i>Rhododendron campanulatum</i>	2018-19 to 2022-23	6.15	Not approved by R.A.C.
11	Study of species migration in Linear Increment Plot (L.I.P).	2018-19 to 2022-23	13.98	Approved by R.A.C. with the condition that climatic data should be taken from Meteorological department. (This experiment was proposed as per recommendation of working plan of Kedarnath Wildlife Division).
12	Provenance Trial of Akhrot ( <i>Juglens regia</i> ) at Ranikhet.	2018-19 to 2022-23	6.60	Not approved by R.A.C.
13	To develop a Conservation Plot cum Gene bank of Brahm Kamal ( <i>Saussurea obvallata</i> ).	2018-19 to 2022-23	6.04	Approved by R.A.C.
14	Establishment of Palmatum at Research Range Haldwani.	2018-19 to 2022-23	9.00	Approved by R.A.C.
15	Grass Species Nursery cum Demonstration Centre at Ranikhet.	2018-19 to 2022-23	5.55	Approved by R.A.C.
16	Demonstration Centre of Orchids at Munsiyari.	2018-19 to 2022-23	10.24	Approved by R.A.C.
17	Demonstration cum conservation Plot of Endangered species of Valley of Flowers.	2018-19 to 2022-23	6.04	Approved by R.A.C.
18	Cactus & Succulent Nursery cum Demonstration Centre at Ranikhet.	2018-19 to 2022-23	8.64	Approved by R.A.C.
19	Establishment of Conservation Area / Seed Orchard of RET species at Shyampur.	2018-19 to 2022-23	12.60	Approved by R.A.C.
20	Socio-economic study of Kirajadi/ Yarsa Gambu ( <i>Ophiocordyceps sinensis</i> ) in Uttarakhand.	2018-19 to 2020-21	5.50	Approved by R.A.C. with the condition that ecological importance of uprooting may also be studied.
21	Establishment of Conservation Area for Aromatic & RET Species at Lalkuan.	2018-19 to 2022-23	6.50	Approved by R.A.C.
22	Creation, Rejuvenation and Maintenance of Seed plots.	2018-19	3.51	Approved by R.A.C.
23	Establishment of Cactus Conservation Area at Haldwani.	2018-19 to 2022-23	8.50	Approved by R.A.C.
24	Aromatic Plant Species Centre at Bhujiyaghat in Kumaun Himalaya.	2018-19 to 2022-23	6.00	Approved by R.A.C.
25	Treatment of Land slide area in Nainital.	2018-19 to 2022-23	8.20	Approved by R.A.C.
26	Maintenance of Herbal Demo Plot (Mini Herbal Garden) at Haldwani.	2018-19	1.00	Approved by R.A.C.
27	Maintenance of Dashmool Herbal Garden at Lalkuan.	2018-19	1.00	Approved by R.A.C.
28	Maintenance of Demonstration/ Conservation Plot of Certain Indigenous tree Species of Biodiversity importance.	2018-19	1.50	Approved by R.A.C.

Ben

S

B



29	Maintenance of Existing Eucalyptus CSO at Lalkuan.	2018-19	0.70	Approved by R.A.C.
30	Maintenance of Existing Field Trial of Kedarpati, Demo plot of Patwa and Ruins.	2018-19	2.55	Approved by R.A.C.
31	Upgradation and Maintenance of Soil testing Lab.	2018-19	5.00	Approved by R.A.C.
32	Upgradation of Research Information Network.	2018-19	8.00	Approved by R.A.C.
33	Demonstration plot for plants of Riparian species in Ganga River basin.	2018-19 to 2022-23	11.95	Approved by R.A.C. with the condition that survey of Riparian species may also be undertaken.
34	Establishment of Canopy wise Conservation area of RET species at Haldwani.	2018-19 to 2022-23	18.00	Approved by R.A.C.

6.1— मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ द्वारा प्रेषित लीसा टिपान की 'बोर-होल' व 'रिल' विधियों के तुलनात्मक अध्ययन का प्रस्ताव समिति द्वारा अनुमोदन किया गया। यह अध्ययन नैनीताल वन प्रभाग में एफ0आर0आई0 के सहयोग से किया जायेगा।

6.2— विभाग के अधिकारियों के द्वारा प्रेषित विभिन्न सुझावों पर चर्चा के उपरांत निम्न विषयों पर शोध किये जाने की सहमति प्रदान की गयी :-

6.2.1 Preparation of local volume table of important timber species.

6.2.2 Study the impact of recent water conservation measures on forest eco-systems especially in pine zone prone to forest fires.

6.3— मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कैम्पा, उत्तराखण्ड के पत्रांक 212/3-53/18-19 दि० 14 जून 2018 के माध्यम से प्रेषित प्रस्ताव के सम्बन्ध में विचार के लिये प्रमुख वन संरक्षक (HoFF), उत्तराखण्ड द्वारा उनकी अध्यक्षता में शीघ्रताशीघ्र बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये गये।

7— समिति द्वारा दिये गये विशेष सुझाव :-

7.1 अनुसंधान कार्यो हेतु 5 से 10 वर्ष की अनुसंधान योजना तैयार की जाये।

7.2 मानव वन्य जीव संघर्ष रोकने के लिये उचित cropping-pattern को विकसित किये जाने पर अध्ययन किया जाये।

7.3 पर्वतीय क्षेत्र में अनुसंधान के विस्तृत कार्य क्षेत्र को दृष्टिगत रखते हुए देहरादून में भी अनुसंधान का केन्द्र स्थापित कर वन वर्धनिक की नियुक्ति हेतु विचार किया जाये।

7.4 बुग्यालों में पर्यटन के प्रभावों का अध्ययन किया जाये।

7.5 'किंग-कोबरा' के वासस्थल एवं उसके संरक्षण हेतु अध्ययन किया जाये।

7.6 वनाग्नि से जैव विविधता की क्षति के आकलन हेतु नये मापदण्डों को विकसित किया जाये।

7.7 सांख्यिकीय आंकड़ों के विश्लेषण एवं उपयोग के सम्बन्ध में योजना तैयार की जाए। इस कार्य हेतु एफ0आर0आई0 के सहयोग की सम्भावना पर विचार किया जाये।

7.8 राज्य के अंतर्गत विभिन्न अनुसंधान संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समन्वय स्थापित किया जाये, ताकि अनुसंधान कार्यो का दोहराव न हो तथा इन्हें भली-भांति जमीनी स्तर संचालित किया जा सके।

7.9 अनुसंधान शाखा से विभिन्न प्रभागों को प्रेषित नर्सरी तकनीक/अन्य सूचनाओं का feedback सम्बन्धित प्रभागों से प्राप्त किया जाये।

7.10 कालिका रेंज रानीखेत में स्थित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला जो कि निष्क्रिय स्थिति में है, को पुनर्जीवित किया जाये।

Rudra

CS

BR

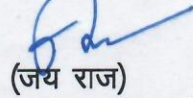


7.11 विभिन्न वन प्रभागों द्वारा प्रतिवर्ष किये जाने वाले पौधारोपण क्षेत्रों में कम से कम 10 प्रतिशत दुर्लभ, लुप्तप्राय एवं संकटापन्न (R.E.T.) प्रजातियों का रोपण अवश्य किया जाये। इस हेतु सम्बन्धित कार्ययोजना में वर्णित (R.E.T.) प्रजातियों का संज्ञान लिया जाये।

8- प्रमुख वन संरक्षक (HoFF) उत्तराखण्ड/अध्यक्ष, वानिकी सलाहकार समिति द्वारा विभाग की 'फील्ड' आवश्यकताओं को ध्यान में रख अनुसंधान किये जाने पर बल दिया गया और वर्तमान की ज्वलन्त समस्याओं जैसे - मानव वन्य जीव संघर्ष, वनाग्नि आदि विषयों के संबंध में शोध में प्राथमिकता दिये जाने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त प्रमुख वन संरक्षक (HoFF) उत्तराखण्ड की ओर से यह भी निर्देशित किया गया कि वानिकी में शोध कार्यों पर चिन्तन-मनन हेतु प्रतिवर्ष वन विभाग की अनुसंधान शाखा द्वारा 2 से 3 दिवसीय 'फॉरेस्ट रिसर्च फ़ैस्टिवल' का भी आयोजन किया जाये जिसमें पूरे देश से वानिकी संस्थानों/विश्वविद्यालयों/वानिकी के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों व तकनीकी विशेषज्ञों/वन प्रेमियों/मीडिया आदि को आमंत्रित कर वानिकी में तकनीकी ज्ञान को रोचक रूप से प्रस्तुत कर साझा किये जाने की कार्यवाही की जाये।

9- अंत में अपर प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान, प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, हल्द्वानी द्वारा अध्यक्ष महोदय एवं सभी सदस्यों/प्रतिनिधियों/विशेष आमंत्रितों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक समाप्त की गयी।

अनुमोदित

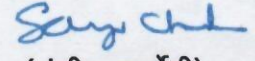


(जय राज)

प्रमुख वन संरक्षक (HoFF)

उत्तराखण्ड

अध्यक्ष, उत्तराखण्ड वानिकी  
अनुसंधान सलाहकार समिति।



(संजीव चतुर्वेदी)

वन संरक्षक

अनुसंधान वृत्त, हल्द्वानी  
सदस्य, उत्तराखण्ड वानिकी  
अनुसंधान सलाहकार समिति।



कार्यालय वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।  
दूरभाष : 05946-235136, फ़ैक्स 05946-235136 ई-मेल cf\_fresearch@rediffmail.com  
पत्रांक- 65 दिनांक, हल्द्वानी 17-7-2018

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- प्रमुख वन संरक्षक (HoFF), उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- प्रमुख वन संरक्षक, वन पंचायत एवं संयुक्त वन प्रबन्ध, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।
- 3- प्रमुख वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तराखण्ड, नैनीताल।
- 4- प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून।
- 5- अध्यक्ष, उत्तराखण्ड जैव विविधता बोर्ड, देहरादून।
- 6- अपर प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान, प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।
- 7- अपर प्रमुख वन संरक्षक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड कैम्पा, देहरादून।
- 8- मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान, हल्द्वानी।
- 9- मुख्य वन संरक्षक, कार्ययोजना, हल्द्वानी।
- 10- डा0 बी0 एस0 बरफाल, सेवानिवृत्त प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून (विशेष आमंत्रि)।
- 11- निदेशक, जी0बी0 पंत, इन्सटीट्यूट ऑफ हिमालयन इन्वायरमेंट एण्ड डवलपमेंट, अल्मोड़ा।
- 12- निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून।
- 13- निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून।
- 14- निदेशक, वि0प0कृ0अ0 संस्थान, अल्मोड़ा।
- 15- निदेशक, जड़ी बूटी शोध एवं विकास संस्थान, गोपेश्वर, चमोली।
- 16- निदेशक, यूकास्ट, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 17- कुलपति, गो0ब0पं0 कृषि वि0वि0, पंतनगर।
- 18- श्री एस0पी0 सिंह, पूर्व कुलपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय।
- 19- श्री महेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, हिमालयन एक्शन रिसर्च सेन्टर, देहरादून।
- 20- श्री जोगेन्द्र बिष्ट, अध्यक्ष, लोक चेतना मंच, राय स्टेट, रानीखेत।
- 21- डा0 जे0एस0 मेहता, से0नि0 वनाधिकारी, अल्मोड़ा।
- 22- डा0 अजय रावत, पर्यावरणविद, नैनीताल।
- 23- वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी।
- 24- वन वर्धनिक, पर्वतीय, नैनीताल।
- 25- गार्ड फाइल।

Goshi

वन संरक्षक

अनुसंधान वृत्त, हल्द्वानी।



संलग्नक- 1

उत्तराखण्ड वनिकी अनुसंधान सलाहकार समिति की दिनांक 28.06.2018 को मन्थन सभागार, कार्यालय प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून में आयोजित बैठक में उपस्थित प्रतिभागियों का विवरण :-

क्र०सं०	प्रतिभागी का नाम	प्रतिभागी का पता	मोबाईल नं०	ई-मेल
1	सर्वश्री जय राज, प्रमुख वन संरक्षक (HoFF) उत्तराखण्ड, देहरादून	का०- प्रमुख वन संरक्षक, राजपुर रोड, देहरादून	9412053604	pccfuk@gmail.com
2	विनीत पांगती, अपर प्रमुख वन संरक्षक, (वन अनुसंधान प्रशिक्षण एवं प्रबन्धन) हल्द्वानी।	एफ०टी०आई० कैम्पस, हल्द्वानी।	7900888826	forest.pangtey@gmail.com
3	राजीव भरतरी, प्रमुख वन संरक्षक, वन पंचायत, देहरादून	का०- प्रमुख वन संरक्षक, राजपुर रोड, देहरादून	9412053603	ccfpfmu@gmail.com
4	बी०पी० गुप्ता, मुख्य वन संरक्षक, जैव विविधता संरक्षण, विकास एवं अनुसंधान, हल्द्वानी तथा वनाग्नि एवं आपदा प्रबंधन, देहरादून।	का०- प्रमुख वन संरक्षक, राजपुर रोड, देहरादून	9412057475	bhawanigupta65@yahoo.com
5	एस०पी० सिंह, पूर्व कुलपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय।	195 बसंत बीहार, फेज 1	9758765300	surps@yahoo.com
6	रमेश चन्द्रा, क्षेत्रीय प्रबन्धक, टिहरी।	उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून।	9568003210	-
7	डा० एन०के० उप्रेती, साइंटिस्ट-जी. एवं ग्रुप कोंडिनेटर (रिसर्च)	एफ०आर०आई० देहरादून।	9456597401	nkupreti@hotmail.com
8	महेन्द्र सिंह, अध्यक्ष हार्क	हिमालयन एक्शन रिसर्च सेन्टर, देहरादून।	9412075996	kunwarms@yahoo.com
9	जोगेन्द्र बिष्ट, अध्यक्ष, लोक चेतना मंच।	राय स्टेट, रानीखेत।	9412092701	jogendrabisht@gmail.com
10	जीवन चन्द्र जोशी, वन वर्धनिक, साल एवं पर्वतीय क्षेत्र, उत्तराखण्ड।	वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।	9012184000	van_vardhaniksal@rediffmail.com
11	डा० बी० एस० बरफाल, सेवानिवृत्त प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड (विशेष आमंत्रित)।	224- 4 /II बसंत बीहार, देहरादून।	9412053605	-
12	डी० वी० एस० खाती, प्रमुख वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तराखण्ड।	का०- प्रमुख वन संरक्षक, राजपुर रोड, देहरादून	9412053601	cwlwua@yahoo.co.in
13	समीर सिन्हा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कैम्पा।	का०- प्रमुख वन संरक्षक, राजपुर रोड, देहरादून	9411102075	-
14	संजीव चतुर्वेदी, वन संरक्षक, अनुसंधान।	वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, हल्द्वानी।	9968859729	cf_fresearch@rediffmail.com
15	पी० के० पात्रो, वन संरक्षक, यमुना व भागीरथी एवं कार्ययोजना अधिकारी।	वन संरक्षक, यमुना वृत्त, 87- राजपुर रोड, देहरादून।	9412085077	yamunacircle@gmail.com
16	डा० आर० पी० यादव, साइंटिस्ट।	विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा।	9410159342	-
17	डा० जी० एस० नेगी, साइंटिस्ट- एफ.	पं० गोबिन्द बल्लभ पंत, इन्सटीट्यूट ऑफ हिमालयन इन्वायरमेंट एण्ड डेवलपमेंट, अल्मोड़ा।	9411105170	-
18	डा० एन० सी० भट्ट, स्टेटिस्टिकल ऑफीसर	का०- प्रमुख वन संरक्षक, राजपुर रोड, देहरादून	9412032248	-
19	आर०सी० काण्डपाल, सहायक वन वर्धनिक, सिल्वा हिल, नैनीताल।	वन वर्धनिक, सिल्वा हिल, नैनीताल।	9456181585	kandpal_710@rediffmail.com
20	डा० आशुतोष मिश्रा, साइंटिस्ट।	यू कास्ट, देहरादून।	8193090250	-

*(Handwritten Signature)*



संलग्नक- 2 (i)

## Post facto approval for projects started in 2016-17

S.N.	Experiment	Period	Amount (Rs. in Lakh)	Remarks
1.	Spacing trial and development of agri-medicinal model of <i>Melia composita</i>	2016-17 to 2020-21	7.20	Approved by R.A.C.
2.	Spacing trial of Eucalyptus clones	2016-17 to 2020-21	8.70	Approved by R.A.C.
3.	Plantation of 10 endangered species which are useful for biodiversity importance and for future source of seed	2016-17 to 2020-21	14.80	Approved by R.A.C.
4.	Collection of high quality seeds of important plant species for biodiversity conservation	2016-17	5.00	Approved by R.A.C.
5.	In situ conservation and nursery technique of Achal koot ( <i>Dysoxylum binectariferum</i> )	2016-17 to 2018-19	6.18	Approved by R.A.C.
6.	Maintenance of herbal demo plot (Mini Herbal Garden) at Haldwani	2016-17	1.00	Approved by R.A.C.
7.	Maintenance of Dashmool Herbal Garden at Lalkuan	2016-17	1.20	Approved by R.A.C.
8.	Maintenance of existing Eucalyptus CSO at Lalkuan	2016-17	0.80	Approved by R.A.C.
9.	Demonstration plot of indigenous <i>Rhododendron species</i> of Uttarakhand	2016-17 to 2020-21	8.38	Approved by R.A.C.
10.	Demonstration plot of Kau ( <i>Olea cuspidata</i> )	2016-17 to 2020-21	6.36	Approved by R.A.C.
11.	Demonstration plot of Tungla ( <i>Rhus parviflora</i> )	2016-17 to 2020-21	6.30	Approved by R.A.C.
12.	Demonstration plot of Amra ( <i>Spondias mangifera</i> )	2016-17 to 2020-21	7.19	Approved by R.A.C.
13.	Demonstration plot of Ekdania ( <i>Bridelia retusa</i> )	2016-17 to 2020-21	7.19	Approved by R.A.C.
14.	Suitability/locality trial of Bhotiya badam ( <i>Corylus jacquemonthii</i> syn. <i>Corylus colurna</i> ) at Gopeshwar & Munsyari	2016-17 to 2020-21	7.68	Approved by R.A.C.
15.	Suitability trial of Cheura- ( <i>Ddiploknema butyracea</i> ) in Garhwal & Kumaun Himalayas	2016-17 to 2020-21	6.77	Approved by R.A.C.
16.	Demonstration plot of Ficus species at Gopeshwar	2016-17 to 2020-21	6.17	Approved by R.A.C.
17.	Establishment of Rhizome Bank of Bamboo species	2016-17 to 2020-21	7.86	Approved by R.A.C.
18.	Establishment of a demonstration plot of <i>Quercus spp.</i> at Ranikhet	2016-17 to 2020-21	6.21	Approved by R.A.C.
19.	Development of nursery techniques of Bhotiya Badam ( <i>Corylus colurna</i> )	2016-17 to 2018-19	3.50	Approved by R.A.C.
20.	Development of nursery techniques of Darim ( <i>Punica granatum</i> )	2016-17 to 2018-19	3.50	Approved by R.A.C.



संलग्नक- 2 (ii)

## Post facto approval for projects started in 2017-18

S.N.	Experiment	Period	Amount (Rs. in Lakh)	Remarks
1.	Analysis of Chemical component of different medicinal plants	2017-18	2.00	Approved by R.A.C.
2.	Productivity trial of Shrub/Tree for fuel wood/ Energy Plantation in Plain Area	2017-18 to 2021-22	2.35	Approved by R.A.C.
3.	Field Trial of Leguminous /Nitrogen fixation species in Eucalyptus coppice area	2017-18 to 2021-22	8.25	Approved by R.A.C.
4.	Field Trial of <i>Melia Composita</i> in Bhabar region	2017-18 to 2021-22	6.40	Approved by R.A.C.
5.	Conservation and Development of Natural Tannin / Colour producing species in Uttarakhand	2017-18 to 2023-24	10.70	Approved by R.A.C.
6.	Conservation and Development of natural gum producing species	2017-18 to 2023-24	12.05	Approved by R.A.C.
7.	Conservation and development of Kasni ( <i>Cichorium intybus</i> )	2017-18 to 2019-20	15.00	Approved by R.A.C.
8.	Conservation and nursery technique of <i>Trema species</i> (Banhariya)	2017-18 to 2021-22	12.50	Approved by R.A.C.
9.	Conservation and propagation of <i>Elaeagnus latifolia</i> (Loharu)	2017-18 to 2021-22	8.50	Approved by R.A.C.
10.	Maintenance of herbal Demo Plot (Mini Herbal Garden) at Haldwani	2017-18	2.00	Approved by R.A.C.
11.	Maintenance of Dashmool Herbal Garden at Lalkuan	2017-18	1.00	Approved by R.A.C.
12.	Maintenance of existing Eucalyptus Clonal Seed Orchards (CSO) at Lalkuan	2017-18	0.70	Approved by R.A.C.
13.	Maintenance of Conservation plot/ SSPA of certain indigenous tree species of Biodiversity Importance	2017-18	1.50	Approved by R.A.C.
14.	Establishment of a Demonstration Plot of Fern species in Middle Himalayan region at Nainital	2017-18 to 2021-22	7.45	Approved by R.A.C.
15.	Development of a Demonstration Plot of Fern species/ Fernatum at Ranikhet	2017-18 to 2021-22	8.00	Approved by R.A.C.
16.	Effect of Climate change on Phenology (Flowering & Fruiting etc.) of Burans ( <i>Rhododendron arboreum</i> ) in Middle Himalaya of Uttarakhand	2017-18 to 2021-22	10.12	Approved by R.A.C.
17.	Development of Nursery techniques of Chullu ( <i>Prunus armeniaca</i> )	2017-18 to 2019-20	3.90	Approved by R.A.C.
18.	Development of Nursery techniques of Chinar ( <i>Platanus orientalis</i> )	2017-18 to 2019-20	2.65	Approved by R.A.C.
19.	Upgradation and maintenance of soil testing lab, biomass estimation and soil testing of samples collected from Uttarakhand	2017-18	4.60	Approved by R.A.C.

Ran



## अनुसंधान शाखा के अंतर्गत वर्ष 2018-19 में बन्द किये जाने वाले बीज गाटाओं का विवरण

## 1- वन वर्धनिक, सिल्वा हिल, नैनीताल

क.स.	प्रजाति	गाटा सं०	ब्लाक एवं कक्ष	रेज का नाम	वन प्रभाग का नाम	क्षेत्रफल (है०)	स्थापना वर्ष	बन्द किये जाने का कारण
1	चीड़	1	सोनी 21	रानीखेत	अल्मोड़ा	7.46	1981	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
2	चीड़	2	सोनी 23	रानीखेत	अल्मोड़ा	5.84	1981	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
3	विदेशी चीड़	4	कालीगाड़ 16	रानीखेत	अल्मोड़ा	0.22	1985	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
4	चीड़	12	सोनी 16ए	रानीखेत	अल्मोड़ा	5.00	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
5	चीड़	13	सोनी 17ए	रानीखेत	अल्मोड़ा	5.00	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
6	चीड़	14	सोनी 19ए	रानीखेत	अल्मोड़ा	5.00	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
7	चीड़	18	सोनी 13	रानीखेत	अल्मोड़ा	5.00	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
8	चीड़	20	सोनी 13	रानीखेत	अल्मोड़ा	4.00	1990	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
9	चीड़	21	सोनी 13	रानीखेत	अल्मोड़ा	4.00	1990	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
10	विदेशी चीड़	45	द्वारसौ 17	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
11	विदेशी चीड़	47	कालीगाड़ 16	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
12	विदेशी चीड़	50	कालीगाड़ 17	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
13	विदेशी चीड़	51	कालीगाड़ 17	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
14	चीड़	1	गागर 4बी	भवाली	नैनीताल	4.4	1982	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
15	विदेशी चीड़	17	कुरिया 4	भवाली	नैनीताल	0.5	1993	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
16	विदेशी चीड़	20	गागर 19ए	भवाली	नैनीताल	0.48	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
17	विदेशी चीड़	21	गागर 19ए	भवाली	नैनीताल	0.12	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
18	चीड़	24	खुरपाताल 4	मनोरा	नैनीताल	2	1994	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
19	चीड़	2	खमलेख 2	बैरीनाग	पिथौरागढ़	5	1990	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
20	चीड़	3	गनियाधोली 5	रानीखेत	अल्मोड़ा	3.27	1982	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
21	चीड़	15	स्यौन 5	रानीखेत	अल्मोड़ा	4.00	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
22	चीड़	16	स्यौन 5ए	रानीखेत	अल्मोड़ा	4.00	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।

Rash



23	चीड़	17	रीची 3ए	रानीखेत	अल्मोड़ा	4.00	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
24	चीड़	7	सुखाताल 32	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	4.00	1987	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
25	चीड़	8	सुखाताल 31	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	4.00	1987	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
26	चीड़	9	सुखाताल 31	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	4.00	1987	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
27	चीड़	10	सुखाताल 32	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	4.00	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने व मोटर मार्ग का निर्माण में वृक्षों के कटान के कारण।
28	चीड़	5	खबडोली 30	गरखेत	बागेश्वर	4	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
29	चीड़	6	खबडोली 21	गरखेत	बागेश्वर	4	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
30	चीड़	7	खबडोली 19	गरखेत	बागेश्वर	4	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
31	चीड़	8	खबडोली 20	गरखेत	बागेश्वर	4	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
32	चीड़	2	गागर 36 बी.	भवाली	नैनीताल	4.36	1982	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
33	चीड़	3	गागर 15	भवाली	नैनीताल	5	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
34	चीड़	4	गागर 3बी.	भवाली	नैनीताल	2	1988	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
35	चीड़	5	रेकुना 3सी	दक्षिणी गौला	नैनीताल	5	1989	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
36	चीड़	6	रेकुना 2	दक्षिणी गौला	नैनीताल	5	1989	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
37	चीड़	7	खनसूँ 4	दक्षिणी गौला	नैनीताल	5	1989	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
38	चीड़	8	पसायन 42/पस्था	दक्षिणी गौला	नैनीताल	5	1989	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
39	चीड़	2	खमलेख / 2	बेरीनाग	नैनीताल	5	1989	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
40	चीड़	2	खमलेख / 2	बेरीनाग	नैनीताल	5	1989	बीज उत्पादन क्षमता कम होने के कारण।
41	चीड़	19	सानी 14,15	रानीखेत	अल्मोड़ा	--	--	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण।
42	चीड़	22	ताड़गताल 17	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	--	1990	लीसा टिपान से वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने के कारण
43	चीड़	23	ताड़गताल 22	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	4	1990	लीसा टिपान से वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने के कारण
44	चीड़	24	सुखाताल 7	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	4	1990	लीसा टिपान से वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने के कारण
45	तिलौज	31	सुखाताल 25	द्वाराहाट	अल्मोड़ा	2	1990	वृक्षों की संख्या कम व पर्याप्त मात्रा में बीज का उत्पादन न होने के कारण
46	तिलौज	32	गगास 22	सोमेश्वर	अल्मोड़ा	1.5	1990	वृक्षों की संख्या कम व पर्याप्त मात्रा में बीज का उत्पादन न होने के कारण
47	पांगर	34	कालीगाड़ 17	छावनी बोर्ड	अल्मोड़ा	2	1990	वृक्षों की संख्या कम व पर्याप्त मात्रा में बीज का उत्पादन न होने के कारण

Reddy



48	बॉज	37	छानी-ल्वैशाल व.प.	सोमेश्वर	अल्मोड़ा	2.5	1991	आपदा से वृक्ष क्षतिग्रस्त होने के कारण
49	बॉज	38	छानी-ल्वैशाल व.प.	सोमेश्वर	अल्मोड़ा	1.5	1991	आपदा से वृक्ष क्षतिग्रस्त होने के कारण
50	बॉज	39	छानी-ल्वैशाल व.प.	सोमेश्वर	अल्मोड़ा	1.5	1991	आपदा से वृक्ष क्षतिग्रस्त होने के कारण
51	देवदार	42	जागदेव 10	रानीखेत	अल्मोड़ा	3	1991	बर्फ गिरने से अधिकांश वृक्ष क्षतिग्रस्त होने के कारण।
52	विदेशी चीड़	52	कालीगाड़ 17	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
53	विदेशी चीड़	53	कटपूड़ीया	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	मोटर मार्ग के निर्माण में वृक्ष कटने के कारण।
54	विदेशी चीड़	54	विल्लेख 2	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
55	विदेशी चीड़	55	विल्लेख 2	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
56	विदेशी चीड़	56	गोदी 1	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
57	विदेशी चीड़	57	गोदी 2	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
58	विदेशी चीड़	62	बमनपुरी सिविल 2	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
59	विदेशी चीड़	63	बमनपुरी सिविल 2	रानीखेत	अल्मोड़ा	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
60	चीड़	9	पसायन 4/पस्या	दक्षिणी गौला	नैनीताल	5	1989	लीसा टिपान से वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने के कारण
61	बॉज	15	आइ.बी.आर.आइ. मुक्तेश्वर 10	उत्तरी गौला	नैनीताल	2	1991	वृक्षों की संख्या कम होने के कारण।
62	टैक्सोडियम	18	कुरिया 4/नलेना 24	मनोरा	नैनीताल	0.8	1993	12 दिसम्बर 1993 बाढ़ में टैक्सोडियम के वृक्ष बहने के कारण।
63	उत्तीस	27	विनायक 20	कोसी	नैनीताल	1	1994	अधिकांश वृक्षों के आपदा में क्षतिग्रस्त होने से वृक्षों की संख्या कम होने के कारण।
64	फर	28	विनायक 13	कोसी	नैनीताल	4	1994	अधिकांश वृक्षों के आपदा में क्षतिग्रस्त होने से वृक्षों की संख्या कम होने के कारण।
65	रई	29	विनायक 16	कोसी	नैनीताल	5	1994	अधिकांश वृक्षों के आपदा में क्षतिग्रस्त होने से वृक्षों की संख्या कम होने के कारण।
66	चमखंडिक	30	विनायक 13	कोसी	नैनीताल	1	1994	भूमि कटाव से वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने के कारण।
67	सुरई	31	विनायक 20	कोसी	नैनीताल	6	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने के कारण
68	विदेशी चीड़	129/24	पातन सिविल	लोहाघाट	चम्पावत	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
69	विदेशी चीड़	130/25	पातन सिविल	लोहाघाट	चम्पावत	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
70	विदेशी चीड़	131/26	पातन सिविल	लोहाघाट	चम्पावत	2.5	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
71	विदेशी चीड़	132/27	लोहाघाट रिजर्व	लोहाघाट	चम्पावत	3	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
72	विदेशी चीड़	133/28	लोहाघाट रिजर्व	लोहाघाट	चम्पावत	3	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
73	विदेशी चीड़	134/29	पुनेठी वन	लोहाघाट	चम्पावत	3	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।
74	विदेशी चीड़	135/30	पुनेठी वन	लोहाघाट	चम्पावत	3	1994	वृक्षों के क्षतिग्रस्त होने कारण।

2021







## संलग्नक- 3(ii)

## अनुसंधान शाखा के अर्न्तगत बन्द किये जाने वाले सांख्यिकीय गाटाओं का विवरण

## 1- सिल्वा साल, हल्द्वानी

## अ- आर्दश गाटा

क0 सं0	प्रजाति	प्रभाग	गाटा सं0	स्थिति	रोपण वर्ष	स्थापना वर्ष	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	यूकेलिफ्टस	हरिद्वार वन प्रभाग	24	कोटावली क0न0-1	-	1987(तृतीय कापिस)	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
2.	यूकेलिफ्टस	हरिद्वार वन प्रभाग	23	नलोवाला क0न04	-	1988(तृतीय कापिस)	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
3.	यूके0 क्लोनल	हरिद्वार वन प्रभाग	81	संबलगढ क0न0-6 ए	2003	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
4.	यूके0 क्लोनल	हरिद्वार वन प्रभाग	82	कोटावली क0न0-8	2001	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
5.	यूके0 क्लोनल	हरिद्वार वन प्रभाग	83	कोटावली क0न0-8	2001	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
6.	यूके0 क्लोनल	हरिद्वार वन प्रभाग	84	कोटावली क0न0-8	2001	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
7.	यूके0 क्लोनल	हरिद्वार वन प्रभाग	85	कोटावली क0न0-8	2001	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
8.	यूके0 क्लोनल	हरिद्वार वन प्रभाग	86	कोटावली क0न0- 11	2002	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
9.	यूके0 क्लोनल	हरिद्वार वन प्रभाग	78	संबलगढ क0न0-1	2001	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
10.	यूके0 क्लोनल	हरिद्वार वन प्रभाग	79	संबलगढ क0न0-1	2001	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
11.	यूके0 क्लोनल	हरिद्वार वन प्रभाग	80	संबलगढ क0न0 6 ए	2002	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
12.	यूके0 क्लोनल	हरिद्वार वन प्रभाग	90	कोटावली क0न011 ए	2002	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
13.	यूके0 क्लोनल	तराई पूर्वी वन प्रभाग	67	सूर्यनगर व0र0चौकी	2002	2005	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
14.	यूके0 क्लोनल	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	220	टाण्डा 23 ब	2001	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
15.	यूके0 क्लोनल	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	221	टाण्डा 23 ब	2001	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
16.	यूके0 क्लोनल	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	244	टाण्डा 23 ब	2001	2005	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
17.	पापलर	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	212	टाण्डा प्लाट सं046	2001	2005	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
18.	पापलर	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	261	टाण्डा प्लाट सं0-34	2003	2005	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
19.	पापलर	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	215	टाण्डा प्लाट सं0-46	2000	2004	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
20.	पापलर	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	274	टाण्डा प्लाट सं0-46	2003	2006	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
21.	पापलर	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	272	जयनगर व0र0चौकी	2003	2006	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
22.	अरु	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	164	धिमरी ब्लौक	-	1986	वृक्षों के लगातार सूखने के कारण पहचान न होने से मापन नहीं किया जा सका।
23.	अरु	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	162	धिमरी ब्लौक	1977	1986	वृक्षों के लगातार सूखने के कारण पहचान न होने से मापन नहीं किया जा सका।
24.	गुटेल	रामनगर वन प्रभाग, रामनगर	62	चौसला ब्लौक	1988	2005	क्षेत्र में रेत भर जाने के कारण मापन नहीं किया गया।
25.	अरु	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	163	धिमरी ब्लौक	1977	1986	वृक्षों के लगातार सूखने के कारण पहचान न होने से मापन नहीं किया जा सका।



26.	पापलर	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	256	जयनगर चौकी के पास	2001	2005	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
27.	पापलर	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	255	---	2001	2005	आर्वतन काल पूर्ण हो चुका है
28.	बकैन	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	160	भाखड़ा प्लॉट सं070	1985	2010	लगभग सभी वृक्ष आधी से टूटने के कारण मापन नहीं किया।
29.	सागौन	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	150	सेमीनार रोड़ प्लॉट सं0 45	1978	2012	क्षेत्रीय प्रभाग द्वारा निशेष पातन किया जा चुका है।
30.	अरु	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	161	धिमरी ब्लौक	1977	1986	वर्ष 2006 से मापन न होने के कारण प्लॉट की पहचान नहीं हो पा रही है।
31.	गुटेल	रामनगर वन प्रभाग, रामनगर	63	चौसला ब्लौक	1988	2005	क्षेत्र में रेत भर जाने के कारण मापन नहीं किया जा सका।
32.	मिश्रित	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	154	दक्षिणी गदगदिया	1988	2001	वर्ष 2008 से मापन न होने के कारण प्लॉट की पहचान नहीं हो पा रही है।
33.	तुन	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	115	दक्षिणी गदगदिया	1966	1976	वर्ष 2008 से मापन न होने के कारण पहचान नहीं हो पा रही है
34.	शीशम	तराई पश्चिमी वन प्रभाग	59	उत्तरी जसपुर कम्पाट न0 43	1966		शीशम लगातार सूखने से पहचान नहीं हो पा रही
35.	पुला	तराई पश्चिमी वन प्रभाग	123	बैलपडाव -13	1966	1978	वृक्षों की संख्या कम होने से पहचान नहीं हो पा रही है।
36.	अरु	हरिद्वार वन प्रभाग	45	नलोवाला क0नं0-3	-	1986	वृक्षों का लगातार सूखने से कम होने के कारण
37.	अरु	हरिद्वार वन प्रभाग	44	नलोवाला क0नं0-3	-	1986	वृक्षों का लगातार सूखने से कम होने के कारण
38.	अरु	हरिद्वार वन प्रभाग	42	नलोवाला क0नं0-3	-	1986	वृक्षों का लगातार सूखने से कम होने के कारण
39.	साल	हल्द्वानी वन प्रभाग	30	कुमिन क0नं0-14	-	1921	मौके पर प्लाट के कोई निशान न मिलने के कारण पहचान नहीं हो पा रही है।
40.	कंजू	हल्द्वानी वन प्रभाग	41	जामपोखरा क0नं0-5	-	1926	वर्ष 1987 से मापन न होने के कारण पहचान नहीं हो पा रही।
41.	साल	हल्द्वानी वन प्रभाग	28	दुलागढ क0नं0-35	-	1921	मौके पर प्लाट के कोई निशान न मिलने के कारण पहचान नहीं हो पा रही है।
42.	शीशम	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	182	द0गदगदिया	-	1988	शीशम लगातार सुखने के कारण मापन कार्य नहीं किया जा सका
43.	शीशम	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	174	पीपल पड़ाव ब्लौक	-	1986	शीशम लगातार सुखने के कारण मापन कार्य नहीं किया जा सका

### ब- टी0आई0पी0

44.	सेमल	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	12	टाण्डा ब्लौक	1977	1986	वर्ष 2008 से मापन न होने के कारण पहचान नहीं हो पाई
45.	अरु	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	8	धिमरी ब्लौक	1976	1985	1992 से मापन न होने के कारण पहचान नहीं हो पा रही है
46.	अरु	तराई केन्द्रीय वन प्रभाग	7	धिमरी ब्लौक	-	1986	2008 से मापन न होने के कारण पहचान नहीं हो पा रही है।
47.	काला तेंदू	राजाजी नेशनल पार्क	3	सुसवा क0 न0 -3	-	1986	2008 से मापन न होने के कारण पहचान नहीं हो पा रही है।

*Reddy*



2- वन वर्धनिक, सिल्वा हिल, नैनीताल

Sl. No.	S.P. No	Species	Forest Division	Range	Block/ Compt. No.	Year of formation	Area (Ha.)	Last measurement year	Total Tree	Alive Tree	Remarks /Reason of closure
<b>Almora Division (Sample Plots)</b>											
1	77	Barj	Almora	Ranikhet	Tilakhet 26	1923	0.0716	2002	42	22	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने पर गाटा की पहचान न होने से ।
2	124	Barj	Almora	Dwarahat	Kotura 7	1960	0.011	2001	46	46	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने पर गाटा की पहचान न होने से ।
3	47	Chir	Almora	Ranikhet	Cant 9a	1920	0.0793	2002	60	15	सीड फ्लाट में परिवर्तित होने से ।
4	49	Chir	Almora	Ranikhet	Soni 21	1920	0.3424	1993	-	-	एस्कपिओपु में परिवर्तित होने से ।
5	94	Chir	Almora	Ranikhet	Soni 23	1958	0.1286	2006	-	-	एस्कपिओपु में परिवर्तित होने से ।
6	97 ab	Chir	Almora	Ranikhet	Manila 15 a	1969	-	-	-	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण ।
7	118	<i>P. elliptica</i>	Almora	Ranikhet	Chhana 2	1989	Not given	1993	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
8	105	<i>P. greggii</i>	Almora	Ranikhet	Kaligad 17	1979	0.0469	2011	73	6	बुझों की कमी के कारण ।
9	112	<i>P. petula</i>	Almora	Ranikhet	Binlekg vill F	1983	0.067	2009	-	-	नये मोटर मार्ग का निर्माण होने के कारण ।
10	119	<i>P. petula</i>	Almora	Ranikhet	Binlekg 2b	1988	0.078	2009	70	20	बुझों की कमी के कारण ।
11	120	<i>P. petula</i>	Almora	Ranikhet	Binlekg 2b	1989	0.064	2009	60	16	बुझों की कमी के कारण ।
12	100	<i>P. khasia</i>	Almora	Ranikhet	Kaligad 16	1974	0.0249	2011	23	7	बुझों की कमी के कारण ।
13	107	<i>Spruce</i>	Almora	Ranikhet	Kaligad 17	1980	0.1	1999	-	-	सीड फ्लाट में परिवर्तित होने से ।
14	131	<i>Utish/popular</i>	Almora	Ranikhet	Narsingh ground	1986	0.029	1995	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
15	132	<i>Utish/popular</i>	Almora	Ranikhet	Narsingh ground	1988	-	1992	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
<b>Almora Division (TIP Plots)</b>											
16	1	Barj	Almora	Ranikhet	Chaubatia	1966	-	-	-	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण ।
17	2	<i>Populus yunnanensis</i>	Almora	Ranikhet	Jagdev 12b	1969	0.0118	2011	23	14	बुझों की कमी के कारण ।
18	3	<i>Populus ciliata</i>	Almora	Almora	Shitalakhet 8	1969	0.06	2012	39	18	बुझों की कमी के कारण ।
19	4	<i>Populus ciliata</i>	Almora	Almora	Shitalakhet 8	1969	0.098	2011	59	19	बुझों की कमी के कारण ।
20	5	<i>Populus ciliata</i>	Almora	Almora	Shitalakhet 9	1969	0.089	2005	41	6	बुझों की कमी के कारण ।
21	8	<i>Acacia sp.</i>	Almora	Ranikhet	Kaligad 17	1971	0.0848	1989	46	21	अर्धतन कास पूर्ण होने के कारण ।
22	9	<i>Salix babylonica</i>	Almora	Ranikhet	Kaligad 16	1971	0.0676	2012	30	12	बुझों की कमी के कारण ।
23	12	<i>pinus patula</i>	Almora	-	-	-	-	-	-	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण ।
24	17	<i>Cupressus funebris</i>	Almora	Ranikhet	Kaligad 17	1983	0.0329	2008	-	-	काउन फायर से क्षति प्रसत होने के कारण ।
25	18	<i>P. petula</i>	Almora	Ranikhet	Chhana 2b	1989	-	-	-	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण ।
26	19	<i>Utish/Chamkharik/ Kath bhaj</i>	Almora	Dwarahat	Koitura 7	1990	0.14	1992	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
27	21	<i>uttis (Alnus nepalensis)</i>	Almora	-	-	-	-	-	-	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण ।
28	22	<i>Utish/Chamkharik/ Kath bhaj</i>	Almora	-	-	-	-	-	-	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण ।

Red



**Bageshwar Division (TIP)**

**Chakrata Division (Sample Plots)**

29	3	Chir	Bageshwar	Bageshwar	Sarna 4	1990	0.015	2011	77	14	यूनों की कमी के कारण ।
30	41	Banj	Chakarata	Molta	Khunigad 6	1924	0.1481	1990	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
31	42	Banj	Chakarata	Molta	Khunigad 6	1924	0.1489	1990	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
32	23	Chir	Chakarata	Molta	Khunigad 3	1920	0.1916	2004	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
33	27	Chir	Chakarata	Babar	Dermigad 4	1920	0.4363	1980	-	-	पत्राली उपलब्ध न होने के कारण ।
34	28	Chir	Chakarata	Babar	Dermigad 4	1920	0.4391	1980	-	-	पत्राली उपलब्ध न होने के कारण ।
35	8	Deodar	Chakarata	Kanasar	Kunainan 6	1911	0.0457	2009	62	13	यूनों की कमी के कारण ।
36	17	Deodar	Chakarata	Babar	Mundali 9	1997	0.0805	2009	128	11	यूनों की कमी के कारण ।
37	29	Deodar	Chakarata	Kanasar	Kunain 8	1922	0.241	2009	34	13	यूनों की कमी के कारण ।
38	30	Deodar	Chakarata	Kanasar	Kunain 6	1922	0.181	2009	38	15	यूनों की कमी के कारण ।
39	31	Deodar	Chakarata	Babar	Mundali 5	1922	0.0574	1962	-	-	पत्राली उपलब्ध न होने के कारण ।
40	60	Deodar	Chakarata	Kanasar	Kanasar 6	1928	0.2966	2001	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
41	64	Deodar	Chakarata	Babar	Mundali 8	1928	0.1425	2009	208	21	यूनों की कमी के कारण ।
42	77	Deodar	Chakarata	Kanasar	Kanasar23	1928	0.1097	2010	56	16	यूनों की कमी के कारण ।
43	81	Deodar	Chakarata	Kanasar	Koffi 7	1928	0.0524	2010	97	14	यूनों की कमी के कारण ।
44	87	Deodar	Chakarata	Kanasar	Kanasar 7	1988	0.0924	2003	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
45	88	Deodar	Chakarata	Kanasar	Kanasar 7	1988	0.1433	2000	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
46	89	Deodar	Chakarata	Kanasar	Kanasar 8	1988	0.1361	1994	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
47	90	Deodar	Chakarata	Kanasar	Kanasar 8	1988	0.2132	1994	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
48	13,14	Deodar	Chakarata	Babar	Mundali 9	1912	0.89	2009	195	9	यूनों की कमी के कारण ।
49	45	Fir	Chakarata	Kanasar	Deovan 7b	1924	0.0546	2010	52	10	यूनों की कमी के कारण ।
50	85	Fir	Chakarata	Kanasar	Kanasar 3a	1955	0.1145	2004	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
51	71	Kail	Chakarata	Babar	Dermigad 7	1928	0.0668	2009	131	12	यूनों की कमी के कारण ।
52	72	Kail	Chakarata	Babar	Dermigad 6	1928	0.1068	2009	77	15	यूनों की कमी के कारण ।
53	1	Kharsu	Chakarata	Kanasar	Deovan 7b	1911	0.047	2004	31	5	यूनों की कमी के कारण ।
54	2	Kharsu	Chakarata	Kanasar	Deovan 7b	1911	0.044	2004	53	3	यूनों की कमी के कारण ।
55	3	Kharsu	Chakarata	Kanasar	Deovan 7b	1911	0.43	2010	27	6	यूनों की कमी के कारण ।
56	83	Kharsu	Chakarata	Kanasar	Deovan 5a	1930	0.0417	2010	65	16	यूनों की कमी के कारण ।
57	84	Kharsu	Chakarata	Kanasar	Deovan 5a	1930	0.0267	2010	87	9	यूनों की कमी के कारण ।

*Handwritten signature*

*Handwritten mark*



Chakrata Division (TIP Plots)										
58	1	Deodar	Chakarata	Kanaser	Kanaser 8	1928	1.28	2000	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण ।
59	2	Deodar	Chakarata	Kanaser	Kanaser 7	1988	0.1575	2001	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण ।
60	3	Deodar	Chakarata	Kanaser	Kanaser 7	1988	0.0604	2000	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण ।
61	5	Chir	Chakarata	Revar	Kalsi 8	1990	0.002	1997	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण ।
Champawat Division (Sample Plots)										
62	36	<i>Acacia mearnsii</i>	Champawat	Lohaghat	Punathi	2005	0.25	2010	-	शीतकाल में सर्वांगी से पेड़ टूटने के कारण ।
63	2	Chir	Champawat	Lohaghat	Chhora	1969	0.1037	2005	-	लम्बे अवधाल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
64	3	Chir	Champawat	Lohaghat	Chhora	1969	0.1638	2005	-	लम्बे अवधाल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
65	7	<i>P. patula</i>	Champawat	Lohaghat	Lohaghat	1987	0.0515	2012	118	पुसों की कमी के कारण ।
Civil Soam Almora Division (Sample Plots)										
66	19	<i>Berj</i>	Civil soam Almora	Jagashwar	Jagashwar 3	1991	0.072	1991	-	लम्बे अवधाल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से ।
Kedarnath Division (Sample Plots)										
67	9	<i>Telobj</i>	Kedarnath	Dhanpur	Jakhet 6	1991	0.25	2003	75	पुसों की कमी के कारण ।
68	10	<i>Telobj</i>	Kedarnath	Dhanpur	Jakhet 6	1991	0.4	2004	74	पुसों की कमी के कारण ।
69	5	<i>Ulish</i>	Kedarnath	Ukhimath	Manchanda 3	1990	0.148	1997	105	पुसों की कमी के कारण ।
70	6	<i>Ulish</i>	Kedarnath	Ukhimath	Manchanda 3	1990	0.021	1995	70	पुसों की कमी के कारण ।
71	7	<i>Ulish</i>	Kedarnath	Ukhimath	Manchanda 3	1990	0.026	2004	67	पुसों की कमी के कारण ।
72	8	<i>Ulish</i>	Kedarnath	Ukhimath	Manchanda 3	1990	0.046	1995	62	पुसों की कमी के कारण ।
73	4	<i>Ulish</i>	Kedarnath	Gopeshwar	Manchula 3a	1990	0.05	2003	50	पुसों की कमी के कारण ।
Nainital Division (Sample Plots)										
74	19 (61)	<i>Kail</i>	Nainital	Koshi	Vineyak 20	1950	0.056	2008	68	पुसों की कमी के कारण ।
75	25 (67)	<i>Populus yunnanensis</i>	Nainital	Bhowali	Gagar 19a	1974	0.07	2005	75	आवृत्त काल पूर्ण होने के कारण ।
76	20 (62)	<i>Surel</i>	Nainital	Koshi	Vineyak 20	1950	0.122	2008	-	बीज गाटा में परिवर्तित होने के कारण ।
77	6 (11)	<i>Telobj</i>	Nainital	Naina	Naina 13	1912	0.0142	2012	29	पुसों की कमी के कारण ।
78	7 (12)	<i>Telobj</i>	Nainital	Naina	Naina 13	1912	0.029	2012	75	पुसों की कमी के कारण ।



Nainital Division (TIP Plots)

79	2	<i>Populus ciliata</i> (van pipal)	Nainital	-	-	-	-	-	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण।
80	5	<i>Populus ciliata</i> (van pipal)	Nainital	Koshi	1979	2008	36	15	36	पुर्वो के सूखने एव गिरने के कृत्रो की कमी के कारण।
81	10	<i>Robinia pseudocacia</i>	Nainital	Mukteshwar	1971	2006	58	8	58	रोड कटिंग से कृत्रो की कमी के कारण।

Tons Division (Sample Plots)

82	5	Banj	Tons	Singtoor	1990	1990	0.1296	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से।
83	1(b)	Kail	Tons	Puroula	1960	2004	0.1465	64	14	पुर्वो की कमी के कारण।
84	7	Deodar	Tons	Singtoor	2000	2010	0.25	-	-	गाटा की पहचान न होने के कारण।

Tons Division (TIP Plots)

85	2	Banj	Tons	Singtoor	1990	1990	0.085	-	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण।
86	3	Banj	Tons	-	-	-	-	-	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण।

Tons Division (Preservation Plots)

87	Preservation plots	Chir	Tons	Devla	1989	2004	2	54	29	टोस नदी की बाढ़ में बहने के कारण।
----	--------------------	------	------	-------	------	------	---	----	----	-----------------------------------

Tons Division (Observation Plots)

88	Observation plot	Chir ( Pinus roxburghii)	Tons(East dehradun)	-	1972	1987	0.7059	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से।
----	------------------	--------------------------	---------------------	---	------	------	--------	---	---	---

Upper Yamuna Divisions (TIP Plots)

89	1	Chir	Upper Yamuna	Rawai	1989	1989	0.2014	-	-	लम्बे अन्तराल तक मापन न होने के कारण गाटा की पहचान न होने से।
90	3	Chir	Upper Yamuna	-	-	-	-	-	-	पत्रावली उपलब्ध न होने के कारण।

Uttarkashi Divisions (Sample Plots)

91	1	Chir	Uttarkashi	Dharasu	1961	2010	0.825	-	-	पुर्वो में लीसा टिपान के कारण।
92	2	Chir	Uttarkashi	Dharasu	1961	2010	0.1615	-	-	पुर्वो में लीसा टिपान के कारण।

Uttarkashi Division (Sample Plots)

93	1	Chir	Uttarkashi	Dharasu	1961	2010	0.825	-	-	पुर्वो में लीसा टिपान के कारण।
94	2	Chir	Uttarkashi	Dharasu	1961	2010	0.1615	-	-	पुर्वो में लीसा टिपान के कारण।

*Reddy*

*11/10/09*



## संलग्नक- 3 (iii)

## अनुसंधान शाखा के अन्तर्गत समयावधि पूर्व बंद किए गए/ जाने वाले प्रयोगों का विवरण

1- समयावधि पूर्व बन्द किये गये प्रयोगों को बन्द किये जाने की कार्योत्तर स्वीकृति हेतु प्रस्ताव :-

क्र०सं०	प्रयोगों का विवरण	बन्द किये जाने का कारण
1	पौपलर फील्ड ट्रायल, गंगापुर पटिया प्लॉट संख्या-3 की स्थापना।	वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी के अंतर्गत उक्त प्रयोग की परियोजना अवधि 2009-10 से 2018-19 तक है। प्रयोग क्षेत्र में जंगली जानवरों द्वारा पौध क्षतिग्रस्त किये जाने के फलस्वरूप वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त के पत्रांक 469 /26-1 दिनांक 28-01-2017 द्वारा इस प्रयोग को बन्द किया गया। कार्योत्तर स्वीकृति हेतु संस्तुति की जाती है।
2	शीशम सी०एस०ओ० की स्थापना।	वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी के अंतर्गत इस प्रयोग की अवधि 2014-15 से 2033-34 तक है। प्रयोग क्षेत्र में जंगली जानवरों द्वारा पौध क्षतिग्रस्त किये जाने के फलस्वरूप वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त के पत्रांक 469 / 26-1 दिनांक 28-01-2017 द्वारा इस प्रयोग को बन्द किया गया। कार्योत्तर स्वीकृति हेतु संस्तुति की जाती है।
3	बायविडिंग बीज उत्पादन क्षेत्र की स्थापना।	वन वर्धनिक, साल क्षेत्र, हल्द्वानी के अंतर्गत इस प्रयोग की अवधि 2012-13 से 2021-22 तक है। प्रयोग क्षेत्र में जंगली जानवरों द्वारा पौध क्षतिग्रस्त किये जाने के फलस्वरूप वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त के पत्रांक 469/26-1 दिनांक 28-01-2017 द्वारा इस प्रयोग को बन्द किया गया। कार्योत्तर स्वीकृति हेतु संस्तुति की जाती है।

2- वर्ष 2018-19 में समयावधि पूर्व बन्द किये जाने वाले प्रयोगों को बन्द किये जाने की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव :-

क्र०सं०	प्रयोगों का विवरण	बन्द किये जाने का कारण
1	नैनीताल वन प्रभाग में नैना व नगर पालिका रेंज के बांज प्रजाति के वनों में बाना के प्रभावों का अध्ययन व नियंत्रण।	वन वर्धनिक, पर्वतीय क्षेत्र, नैनीताल के अंतर्गत प्रयोग की अवधि 2014-15 से 2018-19 तक है। इस प्रयोग का उद्देश्य बांज वनों में बाना परजीवी के संक्रमण के प्रभाव का अध्ययन तथा इसके नियंत्रण तकनीक का विकास करना है। इस प्रयोग से संबंधित समस्त आंकड़े प्राप्त हो चुके हैं। अतः प्रयोग को चलाये जाने का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होता है। अतः इस प्रयोग को बन्द किये जाने की संस्तुति की जाती है।
2	हिल पॉपलर क्लोनों की जीवितता एवं वृद्धि के आंकड़ों का अध्ययन।	वन वर्धनिक, पर्वतीय क्षेत्र, नैनीताल के अंतर्गत उक्त प्रयोग की अवधि 2013-14 से 2023-24 तक है। प्रयोग क्षेत्र खुर्पाताल कक्ष सं०-3बी० में मृदा पथरीली एवं ढाल पूर्वी होने के कारण प्रयोग की सफलता अत्यन्त कम है। प्रयोग को जारी रखने का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होता है। अतः इस प्रयोग को बन्द किये जाने की संस्तुति की जाती है।
3	रिंगाल प्रजाति के विकास एवं धारणीय उपयोग के लिये विभिन्न हार्बस्टिंग विधियों के प्रभाव का अध्ययन करना।	वन वर्धनिक, पर्वतीय क्षेत्र, नैनीताल के अंतर्गत उक्त प्रयोग की अवधि 2014-15 से 2018-19 तक है। वन अनुसंधान राजि, लोहाघाट के अन्तर्गत खुलिया क०सं०-3 स्थापित प्रयोग में स्टाफ द्वारा आंकड़ों का एकत्रीकरण नहीं किये जाने के फलस्वरूप इस प्रयोग की कोई उपयोगिता नहीं रह गयी है। सम्बन्धित कर्मियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की गयी है। इस प्रयोग को बन्द किये जाने की संस्तुति की जाती है।
4	चीड़ कृकों के नीचे विविध झाड़ी व वृक्ष प्रजातियों का रोपण कर वृद्धि एवं अतिजीवितता का अध्ययन करना।	उक्त प्रयोग वन अनुसंधान राजि, कालिका के अन्तर्गत कालीगाड़ कक्ष सं०-34 में स्थापित है। प्रयोग की कार्य अवधि 2009-10 से 2019-20 तक है। दिनांक 13-03-2016 को प्रयोग क्षेत्र में अग्नि दुर्घटना होने के फलस्वरूप प्रयोग क्षतिग्रस्त हो गया। उक्त प्रयोग को बन्द किये जाने की संस्तुति की जाती है।

Ready